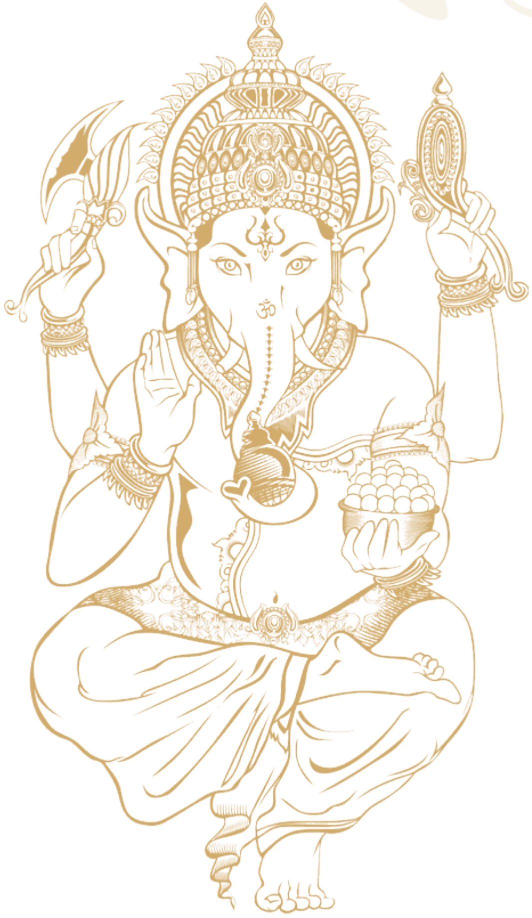

Sh.Ramcharan

26 May 1964

09:27 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121735403

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **26/05/1964**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **21:27:00 घंटे**
इष्ट	: 40:01:02 घटी
स्थान	: **Jhansi**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
रेखांश	: 78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:11:16 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	: 13:28:16 घंटे
सूर्योदय	: 05:26:35 घंटे
सूर्यास्त	: 18:59:11 घंटे
दिनमान	: 13:32:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 12:03:11 वृष
लग्न के अंश	: 16:09:22 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: सिद्ध
करण	: बालव
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	16:09:22	346:17:44	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			वृष	12:03:11	00:57:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चिक	14:59:02	11:49:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल			मेष	20:49:06	00:44:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध			मेष	17:12:09	01:03:15	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	17:09:07	00:13:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	13:22:15	00:06:22	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	11:22:18	00:01:54	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		मिथु	08:47:09	00:02:41	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	08:47:09	00:02:41	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			सिंह	12:38:16	00:00:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
नेप	व		तुला	22:35:35	00:01:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
प्लूटो			सिंह	18:14:20	00:00:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			तुला	00:28:53	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:21:17

लग्न-चलित

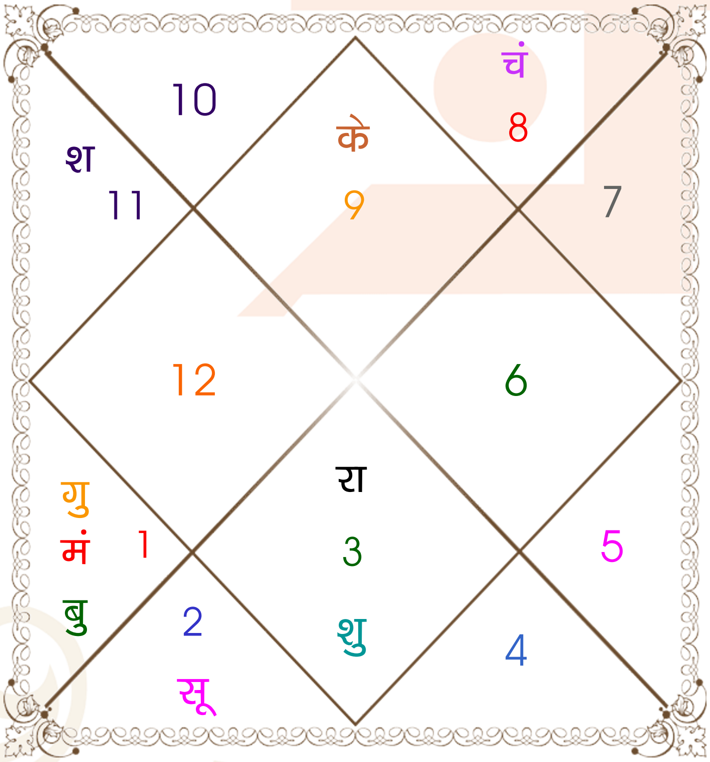

चन्द्र कुंडली

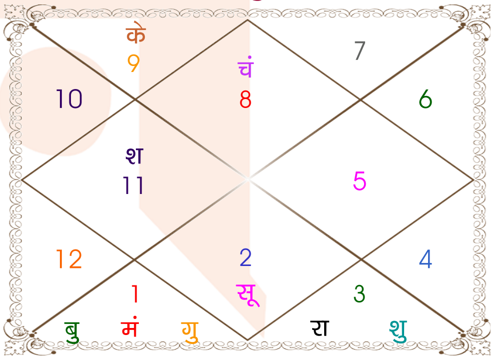

नवमांश कुंडली

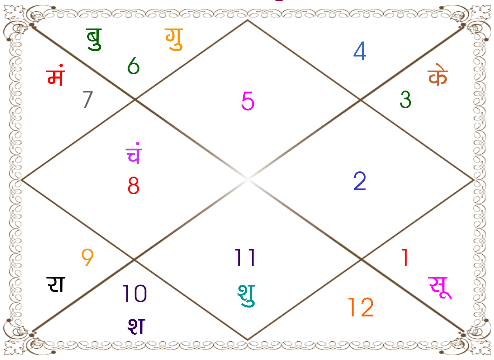

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 4 मास 23 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/05/1964		19/10/1966		20/10/1983		19/10/1990		19/10/2010	
19/10/1966		20/10/1983		19/10/1990		19/10/2010		19/10/2016	
	00/00/0000	बुध	17/03/1969	केतु	17/03/1984	शुक्र	18/02/1994	सूर्य	06/02/2011
	00/00/0000	केतु	14/03/1970	शुक्र	17/05/1985	सूर्य	18/02/1995	चंद्र	08/08/2011
	00/00/0000	शुक्र	12/01/1973	सूर्य	22/09/1985	चंद्र	19/10/1996	मंगल	13/12/2011
	00/00/0000	सूर्य	18/11/1973	चंद्र	23/04/1986	मंगल	19/12/1997	राहु	06/11/2012
	00/00/0000	चंद्र	20/04/1975	मंगल	19/09/1986	राहु	19/12/2000	गुरु	25/08/2013
	00/00/0000	मंगल	16/04/1976	राहु	07/10/1987	गुरु	20/08/2003	शनि	07/08/2014
	00/00/0000	राहु	04/11/1978	गुरु	12/09/1988	शनि	19/10/2006	बुध	14/06/2015
	26/05/1964	गुरु	08/02/1981	शनि	22/10/1989	बुध	19/08/2009	केतु	20/10/2015
गुरु	19/10/1966	शनि	20/10/1983	बुध	19/10/1990	केतु	19/10/2010	शुक्र	19/10/2016

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/10/2016		19/10/2026		19/10/2033		20/10/2051		20/10/2067	
19/10/2026		19/10/2033		20/10/2051		20/10/2067		26/05/2084	
चंद्र	19/08/2017	मंगल	17/03/2027	राहु	01/07/2036	गुरु	07/12/2053	शनि	22/10/2070
मंगल	20/03/2018	राहु	04/04/2028	गुरु	25/11/2038	शनि	19/06/2056	बुध	01/07/2073
राहु	19/09/2019	गुरु	11/03/2029	शनि	01/10/2041	बुध	25/09/2058	केतु	10/08/2074
गुरु	18/01/2021	शनि	20/04/2030	बुध	19/04/2044	केतु	01/09/2059	शुक्र	10/10/2077
शनि	19/08/2022	बुध	17/04/2031	केतु	08/05/2045	शुक्र	02/05/2062	सूर्य	22/09/2078
बुध	19/01/2024	केतु	13/09/2031	शुक्र	07/05/2048	सूर्य	18/02/2063	चंद्र	22/04/2080
केतु	19/08/2024	शुक्र	12/11/2032	सूर्य	01/04/2049	चंद्र	19/06/2064	मंगल	01/06/2081
शुक्र	20/04/2026	सूर्य	20/03/2033	चंद्र	01/10/2050	मंगल	26/05/2065	राहु	07/04/2084
सूर्य	19/10/2026	चंद्र	19/10/2033	मंगल	20/10/2051	राहु	20/10/2067	गुरु	26/05/2084

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु राशि में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल सिंह का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित था। धनु राशीय संबंधित जन्म प्रभाव की आकृति इस विषय की ओर इंगित करता है कि वास्तव में आपके जन्म का स्वरूप आपको सौभाग्यशाली होने का वरदान प्रदान करता है कि आप हर दृष्टिकोण से सुगमता पूर्वक अपने जीवन कक्ष में प्रवेश करके आप अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युक्त धन संपत्तिवान होकर, आनंदित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप अबाध गति से 28 वर्ष की आयु तक के सभी कार्यकलाप नियमित रखते रहे तो यह सत्य है कि आपकी आयु की अवधि जीवन का सबसे भाग्यशाली समय प्रमाणित होगा। यह आपके जीवन का महत्वपूर्ण कदम उठाना। आपके भाग्योदय के लिए यह समय उत्तम एवं उच्चस्तरीय धन, संपत्ति उपार्जन हेतु अनुकूल समय होगा। स्वाभाविक रूप से आपके लिए यह गर्व की बात होगी। परंतु कुछ समय के लिए आप अक्खरपन दिखाने वाले होंगे। परंतु आप यदि कोई अनुचित कार्य न करें, शेष सामाजिक न्यायपालक बन कर पूर्णरूपेण पत्नी एवं बच्चों से अच्छी प्रकार संबंधित होकर रहे तथा उनके लिए कुछ भी कोई भी त्याग करने हेतु तैयार रहे। आप सदैव अपने उन मित्रों के प्रति निष्ठावान रहते हो जो आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से किसी भी कल्याणकारी कार्य हेतु अर्थ दान करोगे।

आप व्यक्तिगत रूप से विश्वासी, सच्चा, ईमानदार, सबों पर सदैव विश्वास करने वाले तथा निष्कपट भाव से सबों पर विश्वास रखने वाले हैं। आप किसी भी सभा या सार्वजनिक स्थान पर सत्यभाषण करेंगे। जो अन्यों की अपेक्षा अरूचिकर नहीं होता है। आप असावधानी पूर्वक निष्पक्ष भाव से अपनी अप्रसन्नता अभिव्यक्ति कर देते हैं। फलस्वरूप आप अपनी पवित्र अभिरूचि को सार्वजनिक कर देते हैं। परंतु आप जिनसे संबद्ध रहते हो, उन्हें अपने सिद्धांत के अनुसार महत्व प्रदान करते हो।

आप अपनी कुशाग्र, बुद्धिमत्ता एवं सैद्धांतानुसार अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित कर अपनी योजना के प्रति अग्रिम रूप से कारवाई करते हैं। आप सच्ची भावना से कठिन कर्म हेतु प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कृत संकल्पित रहते हैं। आप आर्थिक लाभांश एवं सभी प्रकार के अभाव की पूर्ति हेतु आप कार्यानुरूप प्रस्तुत रहते हैं।

आप अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। आप एक बार लेखन, व्यवसाय, संपादन कार्य, पुस्तक प्रकाशन का कार्य, कंपनी लॉ, राजनीति अथवा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन कार्य से संबद्ध हो सकते है। अतः आप वैदेशिक लोगों से संबंध का विस्तार कर, दो बार वैदेशिक भ्रमण की व्यवस्था कर सकते है। आपका किसी भी प्रकार से किसी भी विषय में यथा सट्टेबाजी आदि में आसक्त हो जाना आपके लिए अनर्थकारी प्रमाणित होगा।

आपके लिए निम्नांकित निर्देशों का अनुपालन करना उत्तम एवं समृद्धिकारक है।

आप साप्ताहिक दिनों में महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल दिन मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक फलदायी एवं अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में लाभदायक रंग सफेद, क्रीम रंग, हरा, नारंगी, सूआपंखी एवं नीला रंग उपयुक्त है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग सर्वथा अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।